भाषा उत्सव
भाव निकुंज / स्वस्ति

दिनांक	:	**22-26 अप्रैल, 2019**
स्थान	:	आई.टी.एल. पब्लिक स्कूल
संचालनकर्त्ता	:	हिंदी तथा संस्कृत विभाग
उपस्थिति	:	कक्षा छठी से नौवीं

"भाषा ही है सबकी शक्ति, मन के उद्गारों की अभिव्यक्ति"

विगत वर्षों की भाँति **आई.टी.एल. विद्यालय** के प्रांगण में इस वर्ष भी **भाषा उत्सव** का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी एवं संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन देने हेतु छात्रों द्वारा अनेक गतिविधियाँ प्रस्तुत की गई। इसमें कक्षा पहली से नौवीं तक के विद्यार्थियों ने अलग-अलग विषयों पर रोचक एवं शिक्षाप्रद गतिविधियों के माध्यम से अपनी योग्यता एवं प्रतिभा का प्रदर्शन का किया।

प्रथम दिवस, कक्षा प्रथम के छात्रों के लिए **24** अप्रैल **2019** को गतिविधि **'नन्हें साहित्यकार'** का आयोजन किया गया। छात्रों ने साहित्यकारों के जन्म स्थान, नाम व रचनाओं के बारे में अपने सहपाठियों को बताया। **कक्षा द्वितीय** के छात्रों द्वारा **नन्हें कथा वाचक** नामक गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में छात्रों द्वारा संक्षिप्त रोचक कहानियाँ सुनाई गई। इसके माध्यम से छात्रों के श्रवण कौशल, स्मरणशक्ति, कल्पनाशक्ति व एकाग्रता में वृद्धि हुई व कहानी से जीवन मूल्यों की सीख मिली।

कक्षा छठी के विद्यार्थियों ने कल्पना की उड़ान गतिविधि के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर भावभंगिमा के साथ कविता वाचन किया, जिसका उद्देश्य छात्रों के वाचन, अधिगम एवं श्रवण कौशलों का विकास करना था। **कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने कलम के जादूगर** गतिविधि के अंतर्गत एक कहानी का निर्माण किया, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों की कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता एवं विचाराभिव्यक्ति का विकास करना था।

द्वितीय दिवस, कक्षा तृतीय में **मेरी किताब** नामक गतिविधि का आयोजन किया गया। नन्हें छात्रों ने अपनी रुचि के अनुसार लेख, कहानियाँ, कविताएँ इत्यादि एकत्र की व उन्हें एक सुंदर मुखपृष्ठ से सजाकर मेरी किताब का निर्माण किया। छात्रों ने किताब को एक आकर्षक नाम भी दिया। गतिविधि का मुख्य उद्देश्य छात्रों की ज्ञान क्षमता, रचनात्मकता, कल्पना शक्ति में वृद्धि करना था। **कक्षा चतुर्थ 'कवि संग्रहालय'** गतिविधि आयोजित की गई। जिसके अंतर्गत छात्रों ने विभिन्न साहित्यकारों व कवियों के जन्म स्थान व रचनाओं के बारे में जानकारी इंटरनेट पत्र- पत्रिकाओं आदि द्वारा एकत्र करके भित्ति पत्रिका (वॉल मैगज़ीन) पर चिपकाई। इस गतिविधि के द्वारा छात्रों ने न केवल अनेक साहित्यकारों के बारे में जाना बल्कि उनकी हिंदी साहित्य के प्रति भी जागृत हुई। **कक्षा पाँचवीं** के विद्यार्थियों द्वारा **मेरा अखबार** गतिविधि आयोजित की गई जिसके अंतर्गत छात्रों ने कविता, कहानी, विद्यालय समाचार, मौसम समाचार आदि लिखकर समूह में समाचार -पत्र का निर्माण किया। सभी छात्रों ने उत्साह के साथ गतिविधि में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया।

कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा काव्य शैली को प्रोत्साहन देते हुए संतों की वाणी, छात्रों की जुबानी गतिविधि के अंतर्गत **नीति के दोहे** प्रस्तुत किए गए। इसका उद्देश्य छात्रों को नैतिक सीख देने के साथ-साथ उनका चारित्रिक विकास करना एवं कम शब्दों के प्रयोग द्वारा गहरी बात कहना सिखाना था।

कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों ने वाद-विवाद गतिविधि द्वारा ज्वलंत सामाजिक प्रकरण **'मीडिया लोगों को भ्रमित कर रहा है'** पर सशक्त रूप से पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार व्यक्त किए। इसका उद्देश्य छात्रों के वाचन तथा अभिव्यक्ति कौशलों के साथ मंच की उपयोगिता एवं प्रयोग सिखाना था।

संस्कृत भाषा की गतिविधियों के अंतर्गत **कक्षा आठवीं** द्वारा एक **पत्रिका का निर्माण** किया गया जिसमें छात्रों ने विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र करते हुए विज्ञान से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में संस्कृत का महत्व दर्शाया।
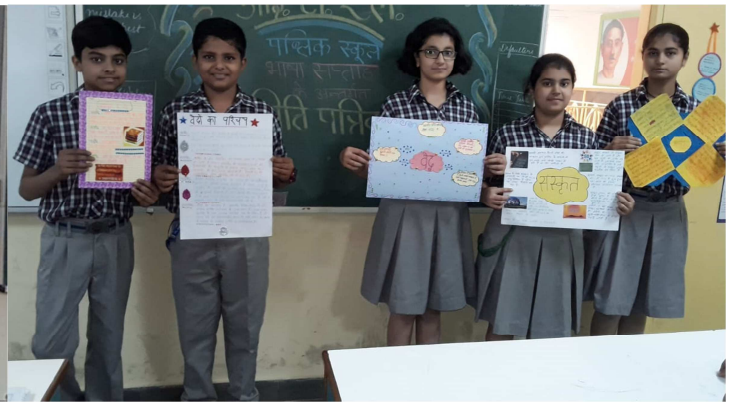
भाषा सप्ताह के अंतिम दिवस पर कक्षा छठी तथा सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा **श्लोकान्ताक्षरी** आयोजित की जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न श्लोकों का मधुर गायन एवं अर्थ स्पष्टीकरण किया।